Self Respect

04-06-2014

✓उसमें हैं चने मुट्ठी, इसमें है विश्व की बादशाही |
बाप तुम बच्चों को विश्व की बादशाही दे रहे हैं |

✓अभी तुम्हारी मुट्ठी हीरों से भर रही है | बाकी
और तो सब विनाश हो जायेंगे |

✓सतगुरु तो एक ही है, बाकी गुरु कहलाने वाले तो ढेर हैं | अब तुमको सतगुरु मिला है वह सत्य बाप भी है तो सत्य टीचर भी है |

✓तुम तो बिल्कुल सच कहते हो | यह है संगमयुग | उस तरफ़ है चने मुट्ठी, इस तरफ़ है हीरों की मुट्ठी | अभी तुम बन्दर से मन्दिर लायक बनते हो | पुरुषार्थ कर हीरे जैसा जन्म लेना चाहिए ना |

✓बाप कहते हैं मैं तुमको विश्व की बादशाही देने आया हूँ | परन्तु किसी-किसी के नसीब में नहीं है |

✓जितना पुरुषार्थ करेंगे उतना ऊँच पद पायेंगे, वह भी 21 जन्म के लिए | यहाँ है अल्पकाल का सुख | आज कुछ मर्तबा, कल मौत आ गया, ख़लास | योगी और भोगी में फ़र्क है ना |

✓इस ब्राह्मण जीवन में परमात्म आशीर्वाद की पालना प्राप्त करने वाली महान आत्मा भव

✓इस ब्राह्मण जीवन में परमात्म-आशीर्वादें और ब्राह्मण परिवार की आशीर्वादें प्राप्त होती हैं | यह छोटा सा युग सर्व प्राप्तियां और सदाकाल की प्राप्तियां करने का युग है | स्वयं बाप हर श्रेष्ठ कर्म, श्रेष्ठ संकल्प के आधार पर हर ब्राह्मण बच्चे को हर समय दिल से आशीर्वाद देते रहते हैं |

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |